एक विनम्र निवेदन

समाज में सभी लोग वक्त जरूरत पड़ने पर डॉक्टरों की सेवाएँ लेते हैं और उनको उचित फीस सादर अदा करते हैं। डॉक्टर अपनी बहुमूल्य सेवाएँ देकर फीस लेते हैं, परन्तु कभी-कभी अपनी फीस लेना उचित नहीं समझते हैं। खासकर जब एक डॉक्टर के पास ईलाज कराने के लिए उसका कोई घनिष्ठ मित्र, रिश्तेदार या अन्य कोई डॉक्टर आता है। तब ईलाज कराने वाले को भी यह संकोच होता है कि उससे फीस ली जाएगी अथवा नहीं। आज के आर्थिक युग में कोई भी व्यक्ति फीस देने में आनाकानी नहीं करता है, परन्तु कई बार इस संकोच के कारण वह अपना ईलाज कराने नहीं आता है कि उससे फीस नहीं ली जाएगी तो, उसे अच्छा नहीं लगेगा।

इस संदर्भ में मेरा यह विनम्र निवेदन है कि एक डॉक्टर को अपने मित्रों, रिश्तेदारों या अन्य डॉक्टरों से परामर्श शुल्क नहीं लेना चाहिए। यह तो एक अनुग्रह के रूप में मानना चाहिए कि उस डॉक्टर के मित्र, रिश्तेदार या किसी डॉक्टर ने उसे सेवा करने का अवसर दिया है। परन्तु परामर्श देने के पश्चात् यदि कोई लेबोरेटरी जाँच, एक्स-रे, ओपीजी, ईसीजी या अन्य कोई प्रोसीजर करना आवश्यक हो तो उसके लिए रिजनेबल चार्जेस अवश्य ले लेना चाहिए। इससे एक तो मरीज का अच्छे से अच्छा और पूरा ईलाज हो सकेगा और दूसरे ईलाज कराने वाले को भी अपना ईलाज कराने में संकोच नहीं होगा कि मैं निःशुल्क ईलाज बार बार कराने क्यों आऊं।

जिस तरह से एक केमिस्ट अपने मित्रों, रिश्तेदारों या अन्य डॉक्टरों से रीजनेबल कंसेशन देकर दवाइयों का पेमेंट ले लेता है, उसी तरह से एक डॉक्टर को भी दूसरे डॉक्टर से उस प्रोसीजर की लागत लेने में कोई संकोच नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही परामर्श के लिए यदि कोई भी आना चाहे तो उसे पहले से ही अपाईंटमेंट ले लेना चाहिए, जिससे कि डॉक्टर और मरीज दोनों के समय की बचत हो सके।

यदि आपको मेरा यह विनम्र ओपीनियन अच्छा नहीं लगा हो तो मुझे क्षमा करिएगा।

शुभकामनाओं सहित,

सत्यनारायण पाटोदिया